क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्षः 02 अंकः 39, रविवार, 03 मार्च, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

28,000 अरब रुपये कर्ज, सेना नाकाबिल और गोद में आतंकी 7 ये है पाकिस्तान का सच

पाकिस्तान को आतंकवाद को लेकर वैश्विक दबाव अलग झेलना पड़ रहा है. ऐसे में इस 'टेररिस्तान' का भारत के आगे झुकना लाजिमी है.

नई दिल्ली. पाकिस्तान आखिरकार भारत के आगे एक बार फिर झुक गया. पाकिस्तान शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन को अपनी हिरासत से रिहा करने जा रहा है. इसके पहले भारतीय वायुसेना ने 26 फरवरी को पराक्रम दिखाते हुए पाकिस्तान में घुसकर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को तबाह किया था. इसके बाद पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव युद्ध स्तर पर है. अगर पाकिस्तान की बात करें तो वो 28 हजार अरब रुपये से अधिक के कर्ज डूबा है. उसकी सैन्य क्षमता भारत से कहीं पीछे है. साथ ही आतंकवाद उसकी गोद में खेल रहा है. उसे वैश्विक दबाव अलग झेलना पड़ रहा है. ऐसे में इस टेररिस्तान का भारत के आगे झुकना लाजिमी है.

कंगाली की कगार पर है पाकिस्तान

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति इस वक्त सही नहीं है. पाकिस्तान पर मौजूदा समय में 28 हजार अरब रुपये के कर्ज का बोझ है. बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने सत्ता संभालने के बाद मितव्ययिता कदमों, कर्ज लेने की जगह कर सुधारों पर काम करने और भ्रष्टाचार को खत्म करने पर जोर दिया था. उन्होंने कहा था, ''पाकिस्तान के इतिहास में हमने इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों का सामना कभी नहीं किया. हमारा कर्ज का बोझ 28 हजार अरब रुपये है. अपने समूचे इतिहास में हम इतने ऋणग्रस्त कभी नहीं रहे, जितना पिछले 10 वर्षों में हो गए हैं.''

इमरान लक्जरी कारें बेचने को थे तैयार

पीएम इमरान खान पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को सुधारने का प्रयास करने का दावा किया था. इसके तहत उन्होंने पीएम आवास की 102 लक्जरी कारों को बेचने के लिए पिछले साल 17 सितंबर को नीलामी रखी. उनके मुताबिक इससे जुटाए गए धन से पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति सुधारने में कुछ मदद मिलेगी. लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी. इन कारों के लिए उन्हें कोई भी ग्राहक नहीं मिला. जो गाड़ियां नीलाम होने के लिए रखी गईं थीं उनमें चार मर्सिडीज बेंज, 8 बुलेट प्रूफ बीएमडब्ल्यू, तीन 5 हजार सीसी की एसयूवी, 24 मर्सिडीज बेंज और दो 3 हजार सीसी की एसयूवी शामिल थीं.

लोगों पर खर्च करने तक के पैसे नहीं : इमरान

इमरान खान ने प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने पहले संबोधन में कहा था कि प्रधानमंत्री निवास में 524 सेवक और 80 कार हैं. उन्होंने कहा था, ''प्रधानमंत्री यानि मेरे पास 33 बुलेटप्रूफ कार भी है. उड़ने के लिए हेलिकॉप्टर और विमान भी हमारे पास है. हमारे यहां गवर्नर का विशाल आवास है और हर कल्पनीय आराम की चीजें हैं.'' उन्होंने कहा था, ''एक तरफ हमारे पास अपने लोगों पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं, दूसरी तरफ हमारे यहां कुछ लोग इस तरह रहते हैं जैसे औपनिवेशिक स्वामी रहते थे.'' खान ने कहा था, ''मैं 524 की जगह दो लोगों को रखूंगा. मैं तीन बेडरूम वाले आवास में रहूंगा. मैं दो कार रखूंगा.

सार-समाचार

UP: बच्चों को बड़े स्कूल में पढ़ाने का सपना होगा पूरा, RTE के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लखनऊ. निशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए शुक्रवार (01 मार्च) से आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत हो रही है. यह पहले शुरू होनी थी, लेकिन डेटा अपलोड न होने के कारण इसमें देरी हो गई. बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अमरकांत ने कहा कि अभिभावक http://rtewz.upsdc.gov.in/ वेबसाइट पर जाकर आज से आवेदन कर सकते हैं.

उन्होंने बताया कि आवेदन की प्रक्रिया 31 मार्च तक चलेगी, जबकि 30 अप्रैल तक बच्चों के दाखिले की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी. उन्होंने बताया कि इसमें करीब 350 स्कूलों का चयन किया गया है. इस बार बच्चे को प्रवेश दिलाने के लिए अभिभावकों को ऑनलाइन प्रक्रिया ही अपनानी होगी. इस बार ऑनलाइन ही जाकर अपने क्षेत्र के स्कूल का चयन करना होगा.पिछली बार स्कूल चयन को लेकर काफी विवाद हुआ था. बच्चों के स्कूलों को बहुत दूरी पर निर्धारित किया गया था, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था. इसी कारण इस बार पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की गई है. आरटीई के तहत गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार के बच्चों को शहर के निजी स्कूलों में दाखिले दिए जाते हैं. इन छात्रों की फीस सरकार की ओर से स्कूलों को दी जाती है. आपको बता दें कि पूर्व माध्यमिक कक्षा में प्रवेश के लिए बच्चे की आयु एक अप्रैल 2019 को तीन वर्ष से अधिक एवं छह वर्ष से कम तथा कक्षा एक में प्रवेश केलिए एक अप्रैल को छह वर्ष या उससे अधिक एवं सात वर्ष से कम होना चाहिए.

पंजाब: BSF ने LoC पर पकड़ा संदिग्ध, मोबाइल में मिला पाकिस्तानी कनेक्शन

चंडीगढ़. पंजाब के फिरोजपुर से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार (01 मार्च) को एक युवक को जासूसी करने के संदेह पर हिरासत में लिया है. युवक की उम्र 21 साल के आस-पास बताई जा रही है और उससे बीएसएफ और अन्य एजेसिंयो द्वारा पूछताछ की जा रही है. जानकारी के मुताबिक, युवक के पास से पाकिस्तानी फोन नंबरों के साथ एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है.

जांचकर्ताओं ने कहा कि हिरासत में लिए गए युवक का सोशल मीडिया अकाउंट इस्लामिक समूहों से उसके संबंध दर्शाता है. उन्होंने बताया कि जासूस के पास से पाकिस्तानी सिम कार्ड और कैमरा बरामद हुआ है. उसका मोबाइल नंबर पाकिस्तान के आठ समूहों से जुड़ा है. उसके पास से छह अन्य पाकिस्तानी नंबर मिले हैं. गिरफ्तार आरोपी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का रहने वाला है. बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी जासूस यहां स्थित बीएसएफ पोस्ट की तस्वीरें ले रहा था.

आपको बता दें कि भारतीय सेना के तीनों अंगों ने गुरुवार (28 फरवरी) को कहा था कि वे पूरी तरह सतर्क हैं. उन्होंने बताया कि एक दिन पहले पाकिस्तानी विमानों ने जम्मू-कश्मीर स्थित भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश, लेकिन उन्हें वापस होना पड़ा. सेना के तीनों अंगों की प्रेसवार्ता में एयर वाइस मार्शल आर.जी.के. कपूर ने मीडिया को बताया कि पाकिस्तान वायुसेना (पीएफए) ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर स्थित राजौरी के पश्चिमी इलाके में भारतीय हवाईक्षेत्र का उल्लंघन किया. पाकिस्तान भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश में था, लेकिन भारत के मिग, सुखोई और मिराज विमानों द्वारा पाकिस्तानी विमानों को वापस लौटने को मजबूर कर दिया गया.

MP: सिमी के 5 आतंकियों को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा, लगाया इतने का जुर्माना

भोपाल. सिमी आतंकियों के खिलाफ मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत ने पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाले और आतंकी घटनाओं को अंजाम के लिए उम्र कैद की सजा सुनाई है. गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने चार अलग-अलग धाराओं में 5 आतंकियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. इसके अलावा चार मामलों में 2-2 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया.

क्या है पूरा मामला

उल्लेखनीय है कि एटीएस पुलिस की 24 दिसंबर 2013 की सुबह सेंधवा में सिमी आतंकियों से मुठभेड़ हुई थी. इस दौरान सिमी सरगना अबु फैजल और इरफान नागौरी को गिरफ्तार किया गया था. एटसीएस की पूछताछ में इस बात की जानकारी भी मिली थी कि सादिक और उमेर द्वारा उज्जैन में सहयोगी आतंकी जावेद नागौरी, मो.आदिल, अजीज उर्फ अज्जू, अब्दुल वाहिद, गुड्डु उर्फ साजिद को गोला बारूद, हथियार और कारतूस पहुंचाए जाते है.

उज्जैन में सहयोगी के साथ मीटिंग

जांच में इस बात का खुलासा भी हुआ था कि उज्जैन में उनके सहयोगी आतंकी मीटिंग का स्थान उपलब्ध कराने से लेकर हथियारों और विस्फोटकों को रखने का स्थान में भी उपलब्ध कराते हैं. सिमी के आतंकियों को जब भी किसी घटना को अंजाम देना होता है तो वह उज्जैन में सक्रिय साथियों से सभी चीजें उपलब्ध करवा लेते हैं.

क्या है सिमी बता दें कि स्टुडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ़ इंडिया (सिमी) एक प्रतिबंधित संगठन है. माना जाता है कि इस संगठन का गठन 1977 को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में हुआ था. भारत सरकार की मान्यता है कि सिमी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ा हुआ है. इसलिए इसको पूरे भारत में प्रतिबंधित किया गया है.

जम्मू कश्मीर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जमात-ए-इस्लामी के 6 सदस्य गिरफ्तार

श्रीनगरः भारत-पाकिस्तान के तल्ख रिश्तों के बीच सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा घाटी में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है. शुक्रवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के त्राल के विभिन्न गांवों छापेमारी के दौरान 6 जामात-ए-इस्लामी के सदस्यों को हिरासत में लिया गया है.

अभी और हो सकती है गिरफ्तारी

सूत्रों से हवाले से मिल रही जानकारी के मुताबिक, सेना और पुलिस द्वारा घाटी के तमाम जिलों में लगातार छापेमारी की जा रही है, जिसको देखकर इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि जल्द ही और भी गिरफ्तारियां हो सकती है.

आतंकी संगठन से जुड़े हैं तार

एनआईए ने बताया है कि इनके तार आतंकी सगंठनों से जुड़े हैं. इससे पहले पांच साल के लिए जमाते इस्लामी को घाटी में बैन किया गया है. इस संगठन पर कश्मीर में हिंसा भड़काने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं. अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को 6 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है. इससे पहले 15 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया था. उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय द्वारा जम्मू कश्मीर में सामाजिक धार्मिक संस्था पर बैन लगाने के बाद सुरक्षाबलों ने छापेम
बता दें कि पिछले हफ्ते छा. [illegible]
पुलिस ने 100 से अधिक सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं के सैकड़ों कार्यकर्ता और नेताओं को हिरासत में लिया गया है.

कानपुर और आगरा के लोगों के लिए खुशखबरी, अगले पांच सालों में शहर में दौड़ेगी METRO

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद द्वारा कानपुर और आगरा की मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी देने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया है. मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और खासतौर पर आगरा तथा कानपुर की जनता को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रदेश के इन दो महत्वपूर्ण महानगरों को बड़ी सौगात दी है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो परियोजनाओं के क्रियान्वयन से आगरा व कानपुर की जनता को भी विश्वस्तरीय आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश के विकास संबंधी राज्य सरकार के प्रयासों को निरंतर गति मिल रही है.

आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को कानपुर और आगरा मेट्रो रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस आशय का निर्णय किया गया. सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के तहत आईआईटी से नौबस्ता तक 23.785 किलोमीटर तक का कोरिडोर बनाया जाएगा. इसके कुछ हिस्से भूमिगत और कुछ हिस्से जमीन से ऊपर होंगे.

कानपुर मेट्रो के 22 स्टेशन होंगे जिसमें 14 स्टेशन भूमिगत और 8 स्टेशन जमीन से ऊपर होंगे. इस परियोजना पर 11,076.48 करोड़ रुपये की लागत आएगी. वहीं, आगरा परियोजना की अनुमानित लागत 8,379.62 करोड़ रुपये आएगी. दोनों शहरों की परियोजनाओं को पांच सालों में पूरा किया जाएगा. आगरा में मेट्रो के दो कारिडोर होंगे जो ताजमहल, आगरा किला, सिकंदरा, अंतरराज्यीय बस अड्डे, रेलवे स्टेशन, मेडिकल कालेज और अन्य को जोड़ेंगे.

उरी सेक्टर में पाकिस्तान ने फिर किया सीजफायर का उल्लंघन, एक नागरिक घायल

पाकिस्तान की ओर से किए गए संघर्ष विराम उल्लंघन में एक स्थानीय नागरिक के घायल होने की जानकारी मिली है.

श्रीनगरः भारतीय सेना द्वारा मुंह की खाने के बावजूद पाकिस्तान की ओर से लगातार सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है. शुक्रवार को पाकिस्तान की ओर से उत्तरी कश्मीर के उरी कमलकोट क्षेत्रों में संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया है.

एक स्थानीय नागरिक हुआ घायल

पाकिस्तान की ओर से किए गए संघर्ष विराम उल्लंघन में एक स्थानीय नागरिक के घायल होने की जानकारी मिली है. यह उरी सेक्टर में कमलकोट सेक्टर में गौहालन, चोकस, किकर और काठी चौकियों के पास हुआ है.

भारतीय सेना दे रही है मुंहतोड़ जवाब

भारत-पाक सेनाओं ने इन क्षेत्रों में मोर्टार और छोटे हथियारों के साथ सुबह 3ः00 बजे से भारी गोलाबारी की. पाकिस्तान की हरकत जग जाहिर है और आयदिन सीजफायर का उल्लंघन करता रहता है जिसका भारतीय सेना मुहतोड़ जवाब देती रही है.

कुपवाड़ा में दो आतंकवादी ढेर

उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के लंगेट के बाबागुंड गांव में रात भर हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए. मारे गए आतंकियों के शव को शुक्रवार सुबह घटनास्थल से बरामद किया गया.

अधिकारियों ने दी पूरे घटनाक्रम की जानकारी

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने बारामूला जिले में उरी के कमलकोट इलाके में गुरुवार शाम भारतीय चौकियों और गांवों पर बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की. उन्होंने बताया कि रातभर रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही. जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया. अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी गोलीबारी का उचित जवाब दिया.

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ा तनाव

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में 14 फरवरी को आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है और ऐसे समय में पाकिस्तानी सैनिकों ने यह संघर्ष विराम उल्लंघन किया है. पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद ने हमले की जिम्मेदारी ली है.

वेंकैया नायडू बोले, संयुक्त राष्ट्र को तय करनी चाहिए आतंकवाद की परिभाषा

उन्होंने कहा कि इसलिए मैं हर मंच से कह रहा हूं कि संयुक्त राष्ट्र को इस बात पर विचार करना चाहिए कि आतंकवाद की परिभाषा क्या हो.

हैदराबाद. उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने गुरुवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र को विचार-विमर्श करके आतंकवाद की परिभाषा तय करनी चाहिए और फिर आतंकवादी समूहों को अलग थलग करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करनी चाहिए.

उपराष्ट्रपति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इसलिए आतंकवाद को समाप्त किया जाना चाहिए. पूरी दुनिया को एक-साथ आना चाहिए और उन लोगों के दर्द को समझना चाहिए जो आतंकवाद से प्रभावित हो रहे हैं और इसे खत्म करने की कोशिश करते हैं.

उन्होंने कहा कि इसलिए मैं हर मंच से कह रहा हूं कि संयुक्त राष्ट्र को इस बात पर विचार करना चाहिए कि आतंकवाद की परिभाषा क्या हो. उपराष्ट्रपति ने कहा कि वे सालों से इस पर चर्चा कर रहे हैं और उन्हें आतंकवादी समूहों को अलग थलग करने के लिए एक कार्य योजना के साथ आगे आना चाहिए.

आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव पर गंभीर चिंता व्यक्त की और दोनों पक्षों से सार्थक आपसी सहयोग के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की.

पंख के जीवाश्म से डायनासौर की उड़ान का पता चला

वैज्ञानिक काफी लंबे समय से यह तो जानते हैं कि कई शुरुआती डायनासौर, जो आज के पक्षियों के पूर्वज हैं, पंखों से ढंके हुए थे

वैज्ञानिक काफी लंबे समय से यह तो जानते हैं कि कई शुरुआती डायनासौर, जो आज के पक्षियों के पूर्वज हैं, पंखों से ढंके हुए थे। पंखों का यह आवरण गर्मी प्रदान करने के अलावा प्रजनन साथियों को आकर्षित करने में भी उपयोगी था। लेकिन अभी तक यह नहीं पता था कि कब और कैसे इन पंखों का इस्तेमाल उड़ने के लिए किया जाने लगा।

अब पंख वाले डायनासौर के पंख के जीवाश्म के आणविक विश्लेषण से पता चला है कि पंख में प्रयुक्त प्रमुख प्रोटीन किस तरह समय के साथ हल्के और अधिक लचीले हुए जिसके चलते डायनासौर उड़ने में सक्षम हुए और अंततः पक्षियों में विकसित हुए। ज़मीन पर चलने वाले सभी रीढ़धारी जीवों में किरेटिन नाम का एक प्रोटीन होता है जो नाखूनों से लेकर चोंच, पंख, शल्क वगैरह बनाता है। मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों में, अल्फा किरेटिन 10 नैनोमीटर चौड़ा तंतु बनाता है जिससे बाल, त्वचा और नाखून बनते हैं। मगरमच्छों, कछुओं, छिपकलियों और पक्षियों में बीटा किरेटिन और भी पतला व अधिक कठोर तंतु बनाता है जिससे पंजे, चोंच और पंख बनते हैं।

वैज्ञानिकों ने पिछले एक दशक में दर्जनों जीवित पक्षियों, मगरमच्छों, कछुओं और अन्य रेंगने वाले जीवों के जीनोम की मदद से समय के साथ उनके बीटा किरेटिन में बदलाव के आधार पर एक वंशवृक्ष तैयार किया है। उनके अनुसार आधुनिक पक्षियों ने अधिकांश अल्फा किरेटिन तो गंवा दिया, लेकिन उनके पंखों में बीटा किरेटिन अधिक लचीला हो गया। इनमें ग्लाइसिन और टायरोसिन अमीनो एसिड्स की एक लड़ी का अभाव होता है जो पंजे और चोंच को कठोर बनाती है। इससे पता चला कि उड़ान के लिए ये दोनों परिवर्तन आवश्यक हैं।

इन दोनों परिवर्तनों को एक साथ देखने के लिए शोधकर्ताओं ने चीन और मंगोलिया के असाधारण जीवाश्मों में अल्फा और बीटा किरेटिन का विश्लेषण किया। पुराजीव वैज्ञानिक पान यानहोंग और मैरी श्वाइट्ज़र ने 16 से 7.5 करोड़ वर्ष पूर्व की पांच प्रजातियों किरेटिन का विश्लेषण किया। उन्होंने प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़ में बताया है कि 16 करोड़ साल पहले के एक कौए के आकार के एनचीओर्निस डायनासौर के पंखों में कुछ मात्रा में आधुनिक पक्षियों के समान अभावग्रस्त बीटा किरेटिन पाया गया। लेकिन सबसे प्राचीन ज्ञात पक्षी आर्कियोप्टेरिक्स से 10 करोड़ वर्ष पूर्व के डायनासौर में अधिक अल्फा किरेटिन पाया गया, जो आज के पक्षियों के पंखों में कमोबेश अनुपस्थित है।

इससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि एनचीओर्निस के पंख उड़ान भरने के लिए सक्षम तो नहीं थे लेकिन उड़ान की ओर विकास में एक मध्यवर्ती चरण को दर्शाते हैं। इसी प्रकार 13 करोड़ वर्ष पुराने एक छोटे उड़ानहीन डायनासौर शुवुइया से प्राप्त पंखों से पता चलता है कि आधुनिक पक्षियों की तरह, इसमें अल्फा किरेटिन की कमी तो थी लेकिन एनचीओर्निस के विपरीत, इसके पंख अधिक कठोर बीटा किरेटिन से बने थे।

आधुनिक आनुवंशिक सबूतों के आधार पर यह कह पाना संभव है कि विकास के दौरान, कुछ डायनासौर के जीनोम में अल्फा किरेटिन जीन की कई प्रतिलिपियां बन गई।

सेना और सरकार दोनों को श्रेय

पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान में भारतीय वायुसेना की कार्रवाई का पूरा श्रेय सेना और सरकार दोनों को मिलना चाहिए। हमले के बाद 12 दिनों तक पूरे देश की निगाहें सेना व सरकार की तरफ ही लगी थीं। जैसे-जैसे दिन गुजर रहे थे, वैसे-वैसे जनता का धैर्य टूटता जा रहा था। सवालों की सूची लंबी होती जा रही थी। जाहिर है सेना की कार्रवाई सरकार की मंजूरी के बिना नही होती। तो श्रेय दोनों को क्यों नही मिलना चाहिए।

गत 14 फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए पाकिस्तान प्रायोजित आत्मघाती आतंकी हमले जिसमें हमने अपने 40 से अधिक जवानों को खो दिया था, के बाद से ही देश में शोक और आक्रोश का वातावरण था। जवानों की शहादत का प्रतिशोध लेने के लिए आभासी से लेकर वास्तविक जगत तक लोग केंद्र सरकार पर दबाव बनाने में जुटे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों पर सेना को खुली छूट देने की बात कहते हुए देश को यह विश्वास दिलाया था कि जवानों की शहादत का बदला जरूर लिया जाएगा। साथ ही केंद्र की सरकार की तरफ पाकिस्तान से एमएफएन का दर्जा वापस लेने, उसको दिया जाने वाला पानी रोकने जैसे निर्णय भी लिए गए, जिसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान में खान-पान की चीजों को लेकर महंगाई बढ़ने की खबरें भी आई थीं। ये कुछ निर्णय तुरंत लिए गए थे, लेकिन इसे पर्याप्त नहीं कहा जा सकता था। दस के बदले सौ सिर की बात करने वाले मोदी से 40 के बदले चार सौ की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन बड़ी बात यह है कि जनभावनाओं के इतने दबाव के बावजूद सरकार ने तात्कालिक रूप से संयम और सूझबूझ का दामन कतई नहीं छोड़ा तथा प्रतिशोध के लिए सुविचारित रणनीति पर काम करती रही।

आखिर पुलवामा हमले के बारह दिन बाद 26 फरवरी की सुबह यह खबर लेकर आई कि बदला ले लिया गया है। पिछली बार जमीन से सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी, लेकिन इस बार हमारी वायुसेना ने अपना पराक्रम दिखाया और हवा के रास्ते पाक में स्थित पुलवामा में हुए हमले की जिम्मेदारी लेने वाले जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। खबरों की मानें तो 26 फरवरी की सुबह साढ़े तीन बजे भारतीय वायुसेना के बारह मिराज-2000 विमान पाकिस्तान में घुसे और एक हजार किलो के बम से हवाई हमला किया जिसमें तीन से चार सौ आतंकियों के मारे जाने की उम्मीद है। इस हवाई हमले की खास बात यह है कि आधा-अधूरा ही सही लेकिन पाकिस्तान की तरफ से भी इस हमले को स्वीकारा गया है। पाक का कहना है कि भारतीय वायुसेना के विमान पाकिस्तानी सीमा में घुसे लेकिन पाकिस्तानी वायुसेना के विमानों द्वारा प्रतिकार किए जाने पर जल्दबाजी में अपना बम गिराकर वापस लौट गए जिसमें उसे जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। कहने की जरूरत नहीं कि पाकिस्तान का यह बयान छुपाते-छुपाते भी सच को सामने लाने वाला है।

इस हवाई हमले के बाद देश के विपक्षी दलों का रुख भी सकारात्मक रूप से बदला-बदला सा दिखा। विपक्षी दलों के नेताओं ने बिना किसी ना-नुकुर के इस कार्रवाई का स्वागत किया। कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल गांधी हों या फिर केंद्र सरकार की घोर विरोधी ममता बनर्जी अथवा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सबने भारतीय वायुसेना के शौर्य और साहस की प्रशंसा से भरे ट्वीट किए। पिछली बार उरी हमले के बाद जब थल सेना के जवानों ने पाक के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया था, तो कांग्रेस से लेकर केजरीवाल तक सबने उसके सबूत मांगे थे, जिसके लिए उनकी आज तक आलोचना होती है। काफी समय बाद उस सर्जिकल स्ट्राइक का एक वीडियो भी सामने आया, जिसने इन नेताओं की और किरकिरी कराई। भाजपा ने इसे मुद्दा बनाकर चुनावों में खूब उछाला था। यह एक बड़ा कारण है कि इस बार विपक्षियों ने वायुसेना के हमले पर सबूत मांगने की बजाय सकारात्मक रुख दिखाते हुए इसका स्वागत किया।

दूसरी चीज यह भी है कि पाकिस्तान ने खुद इस हमले को स्वीकृति दी है, ऐसे में विपक्ष द्वारा इसे नकारना और भी मुश्किल था। हालांकि इतना अवश्य है कि विपक्षी नेताओं ने अपनी बधाई सेना तक सीमित रखी है, सरकार को श्रेय देने से सबने परहेज किया है। यह ठीक है कि इस ऑपरेशन का मुख्य श्रेय हमारी वायुसेना को ही जाता है, लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में इस कार्रवाई में सरकार की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पुलवामा हमले की जवाबदेही सेना-सरकार दोनों की थी, उसी तरह उस हमले के इस प्रतिशोध का श्रेय भी दोनों को ही जाता है।

2014 से पूर्व भी देश पर आतंकी हमले होते थे। हमने 26/11 जैसा सबसे बड़ा आतंकवादी हमला भी झेला। हमारी सेनाएं तब भी इस तरह की कार्रवाइयों में सक्षम थीं, लेकिन तत्कालीन सरकार की तरफ से सिवाय जुबानी जमाखर्च के पाक के आतंकियों पर कभी कड़ी कार्रवाई की इच्छाशक्ति नहीं दिखाई गई। मगर मौजूदा सरकार के शासनकाल में यह तीसरी बार है, जब हमारी सेना ने दुश्मन की हद में जाकर अपना बदला लिया है। एक बार म्यांमार और दो बार पाकिस्तान में हमारी सेनाएं घुसकर आतंकियों का सफाया कर चुकी है। इस तरह के हमलों से पूर्व या बाद में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को साधने की चुनौती से सरकार को ही निपटना होता है। अतः इस कार्रवाई के लिए सेना को यदि पहला श्रेय जाता है, तो दूसरा श्रेय मोदी सरकार को भी देना होगा।

भारत ने पाकिस्तान में चल रहे जैश के ठिकानों को तो नष्ट किया ही है, साथ ही दुनियाभर में उसके खिलाफ जो कूटनीतिक अभियान शुरू किया है, उसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं। 44 देशों में तैनात भारत के रक्षा राजनयिकों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे पाकिस्तान को बेनकाब करें। आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों ने भी मौजूदा घटनाक्रम पर चिंता जाहिर की है और भारत के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। आस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को तो नसीहत दी है कि वह अपने यहां चल रहे आतंकी संगठनों पर कार्रवाई करे। अमेरिका भी कई बार पाकिस्तान को चेता चुका है कि वह अपने यहां मौजूद आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई करे। अमेरिका ने तो पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक मदद बंद करने जैसे कदम भी उठाए है। यूरोपीय संघ के कई देश पहले ही आतंकवाद का सामना कर रहे हैं। ऐसे में ये देश भी अब पाकिस्तान के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई होते देखना चाहते हैं। ऐसे में पाकिस्तान के सामने एकमात्र यही रास्ता है कि वह भारत के बजाय मसूद अजहर जैसे आतंकियों और जैश तथा लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ युद्ध-अभियान छेड़े और इनका खात्मा करे। यह सरकार की कामयाबी ही तो है, जो आज पूरी दुनिया को पाकिस्तान के खिलाफ खड़ा कर दिया है। सेना सीमा पार तो फिर सरकार विदेशों में अपने काम में लगी है।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज तो पाक के सबसे खास दोस्त चीन को उसके घर में जाकर सुनाकर आई है। आखिरकार चीन को यह कहना पड़ा कि पाक आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करे। दुनियाभर में अकेला पड़ा पाक आज अगर रहम की भीख मांग रहा है, तो क्या इसका श्रेय सरकार को दिए बिना आगे बढ़ना सही होगा। पुलवामा हमले के बाद से सरकार कूटनीतिक स्तर पर जो कार्रवाई कर रही है उससे पाकिस्तान बेदम नहीं हो चुका है। प्रधानमंत्री इमरान खान कभी जवाबी कार्रवाई तो कभी शांति की बात कर रहे हैं, उनकी यह बौखलाहट क्या यह बताने के लिए काफी नहीं है कि भारत ने उनका क्या हाल कर रखा है। निश्चित रूप से आज पाक की जो हालत है, वह सेना व सत्ता दोनों वजहों से।

■ पीयूष द्विवेदी
(वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादकीय

इन्क्रेडिबल मोदीजी

हिंदुस्तान के अनूठेपन को दर्शाने के लिए एक शब्द का इस्तेमाल किया जाता है- इन्क्रेडिबल यानी जिस पर मुश्किल से भरोसा किया जा सके। हमारा देश संस्कृति, विरासत, परंपराओं, भाषा, पहनावे, खान-पान सभी में इतना अनूठा है कि वाकई भरोसा नहींहोता कि एक देश में इतनी विशेषताएं एक साथ हो सकती हैं। लेकिन आज के हालात में तो इन्क्रेडिबल शब्द का इस्तेमाल देश से ज्यादा देश के प्रधानमंत्री के लिए किया जा सकता है।

जब वे विधानसभा चुनावों के लिए दिन-रात एक करके रैलियां करते थे या एक के बाद एक विदेश दौरे करते थे और वहां अपने ही देश की पुरानी सरकारों को कोसते थे, तो आश्चर्य होता था, मन में सवाल उठता था कि कोई प्रधानमंत्री कैसे जरूरी काम छोड़कर अपनी तारीफ करने और करवाने में मगन हो सकता है। तब यह भी एहसास होता था कि मोदीजी के लिए सत्ता ही सब कुछ है, सत्ता से बढ़कर कुछ नहीं। और अब यह एहसास यकीन में बदल गया है। इस वक्त देश भयंकर तनावपूर्ण हालात से गुजर रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच लड़ाई न हो, इसके लिए अंतरराषट्रीय बिरादरी दबाव बना रही है।

सरहद पर हमारे जवान पहले से अधिक सतर्क होकर पहरेदारी कर रहे हैं। वायुसेना के पायलट अभिनंदन पाकिस्तान की गिरफ्त में हैं और उनकी सकुशल वापसी के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन सबके बावजूद चुनावी रैलियां करने, वीडियो कांफ्रेंसिंग से भाजपा कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देने और विपक्ष को कोसने में लगे हैं। मोदीजी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई रिकार्ड बनाएं हैं, आधी रात को आर्थिक आजादी की घोषणा की, लालकिले पर साल में दो बार झंडा फहराया, हर महीने मन की बात की, सी प्लेन की सवारी की, सबसे ऊंची मूर्ति का अनावरण किया और ऐसे कई कारनामों में अब ये कारनामा भी जुड़ सकता है कि जब देश को मजबूत करने की बात होनी चाहिए, तब उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से बूथ मजबूत करने कहा, ताकिचुनाव जीता जा सके।

यूं तो मोदीजी बात-बात पर कैमरे के सामने आना पसंद करते हैं, पूरे पांच साल लोगों ने उनके मन की बात भी खूब सुनी। नोटबंदी से लेकर जीएसटी तक सारी घोषणाएं उन्होंने खुद ही कीं, लेकिन वायुसेना के पायलट अभिनंदन पर या पाकिस्तान के साथ मौजूदा हालात पर देश को पांच मिनट के लिए संबोधित करने का वक्त उन्हें मिला।

पुलवामा के बाद भी उन्होंने रैलियां कीं, विदेश यात्रा पर गए और अब एयर स्ट्राइक के बाद भी उनका चुनावी कार्यक्रम जारी है, जिसमें वे जनता को ये बतला रहे हैं कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भरोसा दिला रहे हैं कि देश सुरक्षित हाथों में है।

लेकिन उन्हें ये भी स्पषट करना चाहिए कि ऐसा वे देश के प्रधानमंत्री होने के नाते कह रहे हैं या भाजपा के नेता होने के नाते।

अगर प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हें कुछ कहना है तो उसमें भाजपा के झंडे, बैनर, पोस्टर और चुनाव चिह्न का इस्तेमाल क्यों होना चाहिए? क्यों वे आधिकारिक तौर पर राषट्र को संबोधित नहींकरते? क्यों सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्षी दलों के साथ चर्चा नहींकरते? क्यों जनता के सामने सच्चाई नहींरखते कि इस वक्त देश में आखिर क्या चल रहा है? क्योंकि न्यूज चैनलों पर तो रोज ही पाकिस्तान के साथ लड़ाई छिड़ जाती है और जनता का एक बड़ा वर्ग इसी बात को मान रहा है कि लड़ाई कभी भी छिड़ सकती है। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के भ्रामक संदेश प्रसारित हो रह हैं।

आलेख

खफा है पाकिस्तान की नई पीढ़ी

भारत की तरह पड़ोसी देश पाक की नई पीढ़ी भी देशभक्ति प्रदर्शित करने सेना संग खड़ी रहती है, लेकिन इस बार पाकिस्तान की नई पीढ़ी सेना के रवैये और उसकी जुमलेबाजी से बिफर पड़ी है। मतलब साफ है। पड़ोसी देश में जनता अब आतंकवाद से पीछा छुड़ाना चाहती है। इसका संकेत उसने आम चुनाव में आतंकी हाफिज सईद को खारिज करके दे दिया था। मगर इमरान को यह सब नहीं दिख रहा। उन्हें सेना जो पढ़ा रही है, वही वे बोल रहे हैं।

यूं तो भारत की तरह पड़ोसी देश पाकिस्तान की नई पीढ़ी भी देशभक्ति प्रदर्शित करने के लिए हमेशा अपनी सेना के कंधे से कंधे मिलाकर खड़ी रहती है, लेकिन इस बार की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की नई पीढ़ी अपनी सेना के साथ वैसे नहीं खड़ी जैसे हमेशा खड़ी रहती है। इस बार पाकिस्तान की नई पीढ़ी सेना के रवैये और उसकी जुमलेबाजी से बिफर पड़ी है। शायद यह पहला ऐसा मौका है जब किसी देश की नौजवान पीढ़ी अपने देश की सेना से सीधे-सीधे सवाल कर रही है और चाहती है कि सेना भी उसे सीधे-सीधे जवाब दे। वास्तव में 26 फरवरी 2019 की सुबह जब अभी भारत और पाकिस्तान के ज्यादातर लोग नींद के आगोश में ही थे, तभी पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर आसिफ गफूर ने ट्वीट करके जानकारी दी कि भारत के कुछ लड़ाकू विमान नियंत्रण रेखा पार करके मुजफ्फराबाद सेक्टर में तीन से चार किलोमीटर अंदर तक घुस आए थे, जिन्हें मुस्तैद पाकिस्तान की सेना ने खदेड़ दिया। अगर इस ट्वीट के बाद वाकई कोई दूसरा ट्वीट या इस बात को काउंटर करती कोई दूसरी बात नहीं आती तो निश्चित रूप से यह माना जाता कि पाकिस्तानी सेना सही कह रही है। पाकिस्तानी उसकी इस जवांमर्दी पर फिदा होते और जिंदाबाद के नारे लगाते।

मगर अब लगता है यह पाकिस्तानी सेना के लिए अच्छा दिन नहीं था, क्योंकि अभी उनके सैन्य प्रवक्ता का यह ट्वीट घूम ही रहा था कि पाकिस्तानी टेलीविजन चैनल भारत से आ रही ब्रेकिंग न्यूज देने लगे कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के बालाकोट सहित दो अन्य स्थानों पर स्थित चरमपंथी संगठनों के ठिकानों को भारी बमबारी करके ध्वस्त कर दिया है। इस ब्रेकिंग न्यूज के बाद जाहिर है पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता का ट्वीट चोर की दाढ़ी में तिनका ही साबित होना था। दरअसल, यह पहला मौका था, जब खुद पाकिस्तान की सेना ने स्वीकार किया कि भारत के लड़ाकू विमान पाकिस्तान में घुसे और फिर वापस गए। इसका मतलब था कि हकीकत काफी खौफनाक है। क्योंकि पिछली बार तो पाकिस्तान ने भारत के इस दावे को ही खारिज कर दिया था कि उसने कोई सर्जिकल स्ट्राइक की है। पाकिस्तान सेना के इस घुमा फिराकर स्वीकारने के रवैये से पाकिस्तान की नई पीढ़ी में गुस्सा है। ऐसे में उसका अपनी सेना पर झुनझुलाना और बिफर पड़ना स्वाभाविक था। क्योंकि यह तो पाकिस्तान की सेना ने ही स्वीकार किया कि भारतीय फाइटर प्लेन पाकिस्तान में घुसे और फिर वापस गये। यही वजह है कि भारतीय चैनलों की ब्रेकिंग न्यूज जब पाकिस्तानी चैनलों में भी चलने लगी तो पाकिस्तान के नौजवानों ने धड़ाधड़ ट्वीट करके अपनी सेना से ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जैसे अभी तक पहले कभी नहीं पूछे थे।

मसलन एक पाकिस्तानी नौजवान फव्वाद जावेद ने अपने ट्वीट में लिखा, 'भारतीय विमान सीमा के अंदर घुसे कैसे? और जब घुसे तो हमारी सेना ने उन्हें मार क्यों नहीं गिराया?' एक और नौजवान ने सेना से पूछा क्या पाकिस्तान को उसकी वायुसेना के एयर सर्विलांस सिस्टम से यह पता नहीं चल पाता है कि भारत के विमान उसकी सीमा में घुस आए हैं? अगर पता चल पाता है तो पाकिस्तान की सेना हिंदुस्तानी सेना के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं करती? दरअसल पाकिस्तानी नौजवानों का यह गुस्सा स्वाभाविक है क्योंकि गैर युद्ध के समय पाकिस्तानी सेना अपनी ताकत के बारे में कुछ इस तरह से बढ़ा चढ़ाकर बताती है कि पाकिस्तान के नौजवानों को ही नहीं हर उम्र के लोगों को यही लगने लगता है कि भारत भले आकार में कितना ही बड़ा क्यों न हो, लेकिन पाकिस्तान की सेनाएं भारत को चुटकी में उड़ा सकती है। चूंकि पाकिस्तानी सेना का टेलीविजन में नियमित रूप से आना काफी होता है, इसलिए पाकिस्तान की सेना एक तरह से पाकिस्तान के अवाम से ज्यादा मुखातिब रहती है। अपने बारे में जैसे तमाम सेनाएं बढ़ चढ़कर बातें करती हैं, वही सब पाकिस्तानी सेना भी करती है। लेकिन उसके साथ दिक्कत यह है कि उसे अकसर टेलीविजन में अपने बारे में कुछ कहने का मौका मिलता है तो वह ज्यादातर समय ऐसे कहती रहती है। जबकि दूसरी सेनाओं को ज्यादा पब्लिक डोमेन में उतरने व आवाम से मुखातिब होने का मौका तक नहीं मिलता। इसलिए वे जो कुछ अपने बारे में बढ़ा चढ़ाकर बातें करती भी हैं तो वो बातें फौज वालों के बीच ही घूमती रहती है, इसलिए दूसरे देशों की सेनाओं पर बड़बोले होने का आरोप नहीं लगाया जाता।

निःसंदेह पाकिस्तान की सेना अपने देश के आकार से काफी बड़ी और ताकतवर है। लेकिन भारत की सेना का मुकाबला फिलहाल उसके बस की बात नहीं है। भारत के ही नहीं पूरी दुनिया के सैन्य विशेषज्ञ इस बात की तस्दीक करते हैं कि भारत की सेना के मुकाबले पाकिस्तान की सेना बहुत कमजोर है और जहां तक वायु सेना का सवाल है उसमें तो भारत की वायु सेना के मुकाबले पाकिस्तानी वायु सेना का कोई जोड़ ही नहीं है। पाकिस्तान की वायुसेना भारतीय वायुसेना के उच्च स्तरीय हमलों का जवाब देने में सक्षम नहीं है। वास्तव में जहां तक 26 फरवरी 2019 की मध्यरात्रि की स्ट्राइक का सवाल है तो भारतीय वायु सेना की तैयारी इतनी मुकम्मल थी कि पाकिस्तान के लिए अंदाजा लगाना ही संभव नहीं था कि हो क्या रहा है? भारत ने पलक झपकने वाले अंदाज में इस हमले को अंजाम दिया है। पाकिस्तान का एयर सर्विलांस सिस्टम और जैमर इस लायक नहीं है कि वे इतने उन्नत किस्म के हमले को समय रहते पकड़ सके। पाकिस्तान में डिफेंस से जुड़े मामलों पर रिपोर्ट करने वाली एक वेबसाइट डिफेंस डॉट पीके ने भी इस निष्कर्ष से अपनी सहमति जताई है कि पाकिस्तान का सर्विलांस सिस्टम खासकर पाकिस्तान के एयरबोर्न रेडार्स बहुत पुराने पड़ गए हैं। हालांकि हाल के सालों में चीन ने पाकिस्तान के सैन्य साजो सामान को काफी उन्नत बनाया है। लेकिन सर्विलांस के मामले में चीन की भी मदद बहुत कारगर नहीं रही। इस समय करेले में नीम पाकिस्तान के लिए यह हुआ है कि अब उसे अमेरिका की तरफ से मिलने वाली तमाम रक्षा मदद भी बिल्कुल बंद हो चुकी है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना का शेखी बघारना पाकिस्तान की युवा पीढ़ी को गुस्सा तो दिलाएगा ही।

पाकिस्तान में जिस बदलाव की बात इमरान खान सत्ता में आने के बाद से कर रहे हैं, अगर उसे देख भी लेते तो आज वे न तो भारत को आंख दिखाने की बात करते और न ही घिर जाने पर शांति का राग अलापने लगते। इमरान खान जिस पाकिस्तानी आवाम का सहारा लेकर दुनिया भर से मदद की गुहार लगा रहे हैं, वह उनसे खुद क्या चाहती है, यह देख ही नहीं पा रहे हैं। सत्ता में आने के बाद सेना और आईएसआई ने उनकी आंख पर जो काली पट्टी बांधी है, उसे अब इमरान को हटाना ही होगा। इमरान को छोड़ यह पूरी दुनिया जानती है कि चुनाव के समय वहां की जनता ने कट्टरपंथियों के साथ क्या किया था। चलिए बता देते हैं। पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में मुंबई हमले के मास्टरमाइंड आतंकी हाफिज सईद की समर्थित अल्ला हो अकबर तहरीक पार्टी को अवाम ने नकार दिया था। इस पार्टी को पाकिस्तानी मतदाताओं ने लाज बचाने लायक भी नहीं छोड़ा था। इसका एक भी उम्मीदवार जीत हासिल नहीं कर सका था। जबकि चुनाव बाद हाफिज पाकिस्तान की सत्ता पर बैठकर अपने हिसाब से देश को चलाने की इच्छा पाले बैठा था।

मतलब साफ है कि अपने घर में ही आतंक को पाल-पोस रही पाक की सत्ता और सेना चाहे जो करे मगर अब यह सब वहां की जनता को रास नहीं आ रहा है। इमरान ने अपने देश की जनता में होने वाले बदलाव को महसूस तो किया, मगर वह चाहती क्या है यह समझ नहीं पाए।

■ लोकमित्र
(वरिष्ठ पत्रकार)

जेनिफर विंगेट की नच बलिए-9 में हुई एंट्री

टीवी की दुनिया का मशहूर सेलिब्रिटी डांसिग रियलिटी शो नच बलिए एक बार फिर से आ रहा है. इस शो की खबरें बीते दिनों से ही आ रही हैं। शो के लेकर कहा जा रहा है कि इस वक्त इसमें आने वाली सेलिब्रिटी जोड़ियों के नाम पर चर्चा की जा रही है। वहीं इस शो को लेकर हाल ही में खबर आई है कि आखिर कौन इस बार शो को होस्ट कर रहा है। तो खबर है कि शो को इस बार जेनिफर विंगेट होस्ट कर रही हैं। जेनिफर शो बेहद 2 में नजर आने वाली हैं लेकिन उस शो के पहले ये हसीना नच बलिए 9 में अपना जलवा दिखाएगी। लेकिन अब शो से एक और जुड़ी खबर आ रही है। शो में जेनिफर के साथ कोई और नहीं बल्कि सुनील ग्रोवर भी नजर आएंगे।

मशहूर कॉमेडियन सुनील ग्रोवर भी अपनी कॉमेडी से सबको हंसाएंगे। खबरों के मुताबिक, कॉमेडियन सुनील ग्रोवर भी इस शो को होस्ट करते हुए नजर आएंगे। हालांकि इस बारे में कोई ऑफिसियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। हो सकता है कि जल्द ही इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी जाए। बीते दिनों ही सुनील ग्रोवर स्टार प्लस के ही शो कानपुर वाले खुरानाज में नजर आए थे। अब वो एक बार फिर से नच बलिए 9 में नजर आएंगे। जेनिफर के नाम की कंफर्मेशन लगभग तय ही है। वहीं जेनिफर इस शो के अलावा जल्द ही एक और शो में दिखने वाले है। ये शो बेहद 2 ही है, इसी शो में फिर से जेनिफर माया बनी नजर आएंगी। हालांकि इस बार मेल लीड में कुशाल टंडन और हर्षद चोपड़ा में से कोई एक दिखेगा। नच बलिए की बात करें तो ये शो दर्शकों के बीच काफी पसंद किया गया है। शो में रियल लाइफ कपल जाते हैं। अब देखते हैं कि इस बार शो में कौन कौन जाता है।

पापा महेश भट्ट के साथ में काम करने से डर रही हैं आलिया भट्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म गली बॉय की सफलता के लिए खूब वाहवाही बटोर रही हैं। दर्शकों को फिल्म गली बॉय में आलिया भट्ट का रोल बेहद पसंद आ रहा है। इसी बीच अब आलिया भट्ट ने पापा महेश भट्ट के साथ काम करने को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। आलिया भट्ट ने कहा है कि उन्हें पापा के साथ काम करने में डर लगता हैं।

आलिया भट्ट जल्द पापा महेश भट्ट की फिल्म सड़क-2 में नजर आने वाली हैं। आलिया अपने पिता के निर्देशित में काम करने से डर रही हैं। इसके पीछे क्या वजह है आलिया ने खुद बताया। एक इंटरव्यू में कहा है कि ₹अभी मैं अपने पापा के निर्देशन में काम करने से डर रही हूं।

फिलहाल वह लगातार मेरा काम देख रहे हैं और कह रहे हैं कि मुझे तुमसे भी निपटना है। उनके पास एक्स-रे विजन जैसी नजरें हैं। आगे कहा कि- मैंने हमेशा अपने आस-पास एक दीवार बनाई हुई है जिसे में लोगों को उसे क्रॉस नहीं करने देती हूं। मेरे पापा उस दीवार को तोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए मैं थोड़ी डरी हुई हूं लेकिन मुझे लगता है कि इसमें मजा आएगा। हम इसी साल शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं।

कि इस फिल्म में आलिया बहन पूजा भट्ट के साथ काम करती नजर आएंगी। इस फिल्म से पूजा लंबे वक्त बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्म संजय दत्त के साथ काम करती नजर आएंगी। फिल्म के पहले पार्ट में भी संजय-पूजा ही लीड स्टार्स थे। 2019 भी आलिया भट्ट के लिए कई अच्छी फिल्में लेकर आ रहा है। पहले ब्रहमास्त्र फिर कलंक और अब सड़क 2 में भी आलिया भट्ट नजर आएंगीं।

कई सालों बाद साथ नजर आयें अमीषा-ऋतिक

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और एक्ट्रेस अमीषा पटेल एक समय में बॉलीवुड की हिट जोड़ी के नाम से मशहूर थी। ये जोड़ी फिल्म 'कहो न प्यार है' से फेमस हुई थी। साल 2000 में आई इस फिल्म से अमीषा और ऋतिक ने बॉलीवुड में एंट्री मारी थी। दोनों की ये पहली फिल्म पर्दे पर खूब हिट साबित हुईं। फिल्म राकेश रोशन के निर्देशन में बनी थी जिसमें ऋतिक का डबल रोल सभी को खूब भाया। इस फिल्म के दो साल बाद दोनों की जोड़ी एक बार फिर देखने को मिली। फिल्म 'आप मुझे अच्छे लगने लगे' में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद दोनों ने बॉलीवुड की किसी फिल्म में एक साथ काम नहीं किया। लेकिन एक बार फिर ये हिट जोड़ी एक साथ नजर आईं।

शुक्रवार की शाम अमीषा-ऋतिक मुबई में मराठी फिल्म 'स्माइल प्लीज' के लॉन्चिग के दौरान पहुंचे। जहां दोनों ने एक दूसरे के साथ टाइम निकालकर खूब बातें की। इस दौरान अमीषा काफी खूबसूरत नजर आ रही थी तो वहीं, ऋतिक हैंडसम लग रहे थे। अमीषा पटेल ब्लैक क्रॉप टॉप और डेनिम में काफी खूबसूरत लग रही थीं। इसके साथ ही उन्होंने गॉगल पहने थे।

मेट्रो रेल वस्त्राल से कांकरिया सोमवार से शुरू होगा

यात्रियों के लिए एएमटीएस दो फीडर बस चलाई जाएंगी

फीडर बस में यात्रियों के लिए किराया सिर्फ पांच रुपया होगा, बच्चों के लिए सिर्फ तीन रुपया किराया होगा

अहमदाबाद,२ मार्च ।

आगामी सोमवार को शहर की प्रथम मेट्रो रेल वस्त्राल गाम से कांकरिया एपरेल पार्क तक चलने लगेगी । करीब ६.५ किमी रूट पर की पहली ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरी झंडी दिखाएंगे । इस दौरान वह उसी दिन से मेट्रो रेल के यात्रियों के लिए एएमटीएस के शासक दो दिन फीडर बस भी चलाई जाएंगी । एपरेल पार्क के मेट्रो स्टेशन पर उतरने के बाद यात्रियों को मणिनगर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने का काम यह फीडर बस करने की वजह से इसका युवाओं के लिए ५ रुपया और बच्चों का ३ रुपया रखा गया है । शहरीजनों को एएमटीएस, बीआरटीएस बस सर्विस बाद सोमवार से सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में मेट्रो रेल का तीसरा विकल्प मिलेगा । मेट्रो रेल प्रॉजेक्ट की लंबे समय से अहमदाबाद की जनता इंतजार कर रही थी लेकिन अब आगामी सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेट्रो रेल में यात्रा करके शहर को मेगासिटी को शोभा दे ऐसी गिफ्ट देंगे । दूसरी तरफ वस्त्राल गाम से एपरेल पार्क तक के मेट्रो रेल के यात्रियों को शहर के या राज्य के किसी भी जगह पर जाने के लिए रेलवे तथा एएमटीएस बस, बीआरटीएस बस की सर्विस मिले इस उद्देश्य से एएमटीएस के शासकों ने आयोजन शुरू किया है । एएमटीएस के चेयरमैन अतुल भावसार ने बताया कि, एएमटीएस के आगामी वित्तीय वर्ष २०१९-२० के बजट में ही मेट्रो रेल के यात्रियों के लिए फीडर बस कनेक्टिविटी देने की घोषणा की गई थी । यह घोषणा आगामी ४ मार्च से एपरेल गाम से एपरल पार्क तक के मेट्रो स्टेशन प्रॉजेक्ट के पहले चरण के विधिवत उद्घाटन दिन से लागू किया जाएगा । इस दिन से प्रशासन मणिनगर रेलवे स्टेशन पूर्व से एपरल पार्क तक सुबह में छह बजे से रात के नौ बजे तक फीडर बस चलाई जाएगी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरी झंडी दिखाएंगे । इस दौरान वह उसी दिन से मेट्रो रेल के यात्रियों के लिए एएमटीएस के शासक दो दिन फीडर बस भी चलाई जाएंगी । एपरेल पार्क के मेट्रो स्टेशन पर उतरने के बाद यात्रियों को मणिनगर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने का काम यह फीडर बस करने की वजह से इसका युवाओं के लिए ५ रुपया और बच्चों का ३ रुपया रखा गया है । शहरीजनों को एएमटीएस, बीआरटीएस बस सर्विस बाद सोमवार से सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में मेट्रो रेल का तीसरा विकल्प मिलेगा । मेट्रो रेल प्रॉजेक्ट की लंबे समय से अहमदाबाद की जनता इंतजार कर रही थी लेकिन अब आगामी सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मेट्रो रेल में यात्रा करके शहर को मेगासिटी को शोभा दे ऐसी गिफ्ट देंगे । दूसरी तरफ वस्त्राल गाम से एपरेल पार्क तक के मेट्रो रेल के यात्रियों को शहर के या राज्य के किसी भी जगह पर जाने के लिए रेलवे तथा एएमटीएस बस, बीआरटीएस बस की सर्विस मिले इस उद्देश्य से एएमटीएस के शासकों ने आयोजन शुरू किया है । एएमटीएस के चेयरमैन अतुल भावसार ने बताया कि, एएमटीएस के आगामी वित्तीय वर्ष २०१९-२० के बजट में ही मेट्रो रेल के यात्रियों के लिए फीडर बस कनेक्टिविटी देने की घोषणा की गई थी । यह घोषणा आगामी ४ मार्च से एपरेल गाम से एपरल पार्क तक के मेट्रो स्टेशन प्रॉजेक्ट के पहले चरण के विधिवत उद्घाटन दिन से लागू किया जाएगा । इस दिन से प्रशासन मणिनगर रेलवे स्टेशन पूर्व से एपरल पार्क तक सुबह में छह बजे से रात के नौ बजे तक फीडर बस चलाई जाएगी । यानी कि एपरेल पार्क के अंतिम मेट्रो स्टेशन पर उतरने वाले यात्री यह फीडर बस पकड़कर मणिनगर रेलवे स्टेशन पूर्व जा सकेंगे । मेट्रो ट्रेन के यात्रियों को एएमटीएस की फीडर बस १० से १५ मिनट की फ्रिकवन्सी में मिलेगी ।

जमालपुर के स्थानीय युवक साथ मारपीट की

कांग्रेस के विधायक इमरान खेडावाला पर देर रात हमला

जमालपुर के विधायक इमरान ने आरोपी युवक के विरूद्ध पुलिस में शिकायत : पुलिस ने जांच शुरू की

अहमदाबाद,२ मार्च ।

जमालपुर के कांग्रेस के विधायक इमरान खेडावाला पर देर रात को एक स्थानीय युवक ने हमला करने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । कुछ दिन पहले इमरान खेडावाला और यह युवक की एक-दूसरे को अश्लील गाली की ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी । हालांकि, पुलिस ने अब पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है । जमालपुर में स्थित खान की शेरी में रहते और जमालपुर के विधायक इमरान युसूफभाई खेडावाला ने गायकवाड हवेली पुलिस स्टेशन में फारूक रोलवाला के विरूद्ध में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है । शिकायत के अनुसार इमरान खेडावाला गत दिन देर रात को नाडियावाड के पास स्थित नगिना मस्जिद के पास अपने मित्रों के साथ बैठा था जमालपुर में रहता फारूक रोलवाला उसके पास आया और अचानक अश्लील गाली बोलकर हमला कर दिया । विधायक पर हमले होने की बात फैलने से स्थानीय निवासी घटनास्थल पर पहुंच गये । फारूक ने हमला करने पर इमरान खेडावाला ने तुरंत इसके विरूद्ध में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है । फारूक ने हमला किया तब इमरान खेडावाला को धमकी दी कि आप विधायक बन गये । आपको देख लूंगा । हालांकि, पुलिस ने अब पूरे मामले में जांच शुरू कर दी है । जमालपुर में स्थित खान की शेरी में रहते और जमालपुर के विधायक इमरान युसूफभाई खेडावाला ने गायकवाड हवेली पुलिस स्टेशन में फारूक रोलवाला के विरूद्ध में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है । शिकायत के अनुसार इमरान खेडावाला गत दिन देर रात को नाडियावाड के पास स्थित नगिना मस्जिद के पास अपने मित्रों के साथ बैठा था जमालपुर में रहता फारूक रोलवाला उसके पास आया और अचानक अश्लील गाली बोलकर हमला कर दिया । आप जमालपुर में अब किस तरीके से घूम सकता है । यह मामले में विधायक इमरान खेडावाला ने बताया कि, फारूक रोलवाला पिछले कई समय से बदनाम करने के लिए कई कोशिश कर रहा है । इमरान खेडावाला जबकि सोशल मीडिया पर कोई भी पोस्ट रखे तब फारूक उसकी पोस्ट पर लोगों की भावना को ठेस पहुंचे ऐसी कॉमेन्ट करता था । इमरान खेडावाला की सभी पोस्ट पर कई विवादित बयान भी लोगों को देता था । इस मामले में इमरान खेडावाला के कार्यकर्ता ने कुछ दिन पहले फारूक के साथ बातचीत की थी और विवादित पोस्ट लिखने की बंद करने की विनंती की थी । फारूक ने कार्यकर्ता को अश्लील गाली बोला था, जिसे लेकर इमरान खेडावाला ने इसे फोन किया था, जिसमें दोनों के बीच अश्लील गाली शुरू हुई थी दोनों के बीच टेलिफोनिक बातचीत में हुई गाली की ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था ।

स्वाइन फ्लू का आतंक जारी, और ४ की मौत

अहमदाबाद,२ मार्च ।

स्वाइन फ्लू की वजह से गुजरात में तीसरे महीने में भी आतंक जारी रहा है । शनिवार को स्वाइन फ्लू की वजह से और ४ लोगों की मौत हो गई और नए ९८ केस सामने आने से खलबली मच गई । ५८ नए केस सामने आये है इसमें अहमदाबाद में सबसे ज्यादा २६ केस, सूरत में १९ केस और वडोदरा में १७ केस सामने आये । स्वाइन फ्लू की वजह से मौत का आंकड़ा १०० के निकट पहुंच गया है । आंकड़े पर ध्यान दिया जाए तो १ मार्च तक के आंकड़े बताते है कि, उपचार के तहत रहे लोगों की संख्या अभी भी ८३८ जितनी है । जबकि उचित उपचार लेने के बाद अस्पताल से छुट्टी दिए गए मरीजों की संख्या २१६४ दर्ज की गई है । सभी सतर्कता के कदम अस्पताल में उठाये जा रहे हैं । राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़े के अनुसार, अहमदाबाद शहर में स्वाइन फ्लू के केस सबसे ज्यादा दर्ज किए गए हैं । अहमदाबाद में मौत का आंकड़ा २० पर पहुंच चुका है । जबकि अहमदाबाद में केस की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है ।

अहमदाबाद शहर में विंग कमांडर अभिनंदन की वापसी को लेकर जश्न मनाया गया । अलग-अलग क्षेत्र में अभिनंदन की वापसी को लेकर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

हत्या बाद भी हत्यारा युवक फोटो खींचता था

पत्नी के साथ नाजायज संबंध आशंका में मासी के भाई की हत्या

जुहापूरा क्षेत्र में अंबर टावर के पास एस्सार पेट्रोल पंप के पास ही खुलेआम चाकू से वार करके हत्या कर दी

अहमदाबाद,२ मार्च ।

शहर के जुहापूरा क्षेत्र में अंबर टावर के पास एस्सार पेट्रोल पंप के पास इरशाद नाम के एक युवक ने अपनी पत्नी के साथ नाजायज संबंध की आशंका में अपने मासी के भाई गोलुखान पर खुलेआम चाकू के वार करके हत्या कर देने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई और लोगों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंचने लगी लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि, अपने मासी के भाई गोलुखान की हत्या करने के बाद भी आरोपी युवक इरशाद हाथ में चाकू के साथ खुलेआम खड़ा रहकर फोटो खींचता था बेखौफ खड़ा रहा । यह देखकर स्थानीय लोग भी आश्चर्य में पड़ गये । दूसरी तरफ, घटना की जानकारी मिलने पर वेजलपुर पुलिस का काफिला भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई थी । पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के लिए खोज बीन शुरू कर दी है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के जुहापूरा क्षेत्र में अंबर टावर के निकट एस्सार पेट्रोल पंप के पास शनिवार को सुबह में इरशाद नाम के एक युवक ने अपनी पत्नी के साथ नाजायज संबंध की आशंका में अपने ही मासी के भाई गोलुखान को पर चाकू से वार करके हत्या कर दी । इरशाद के हमले की वजह से गोलुखान घायल हालत में वहीं पर गिर गया और इसकी निर्मम मौत हो गई थी । घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई और स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई । युवक का शव देखकर कुछ ही देर में तो लोगों की भीड़ एकत्र हो गई लेकिन आश्चर्य की बात यह थी कि, हत्या करने वाला युवक इरशाद अपने मौसी के भाई की हत्या बाद इसके शव के पास खड़ा होकर मोबाइल पर फोटो खींचते हुए दिखाई दे रहा था । इतना ही नहीं इसके हाथ में चाकू भी दिखाई दे रहा था । घटना की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई । वेजलपुर पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर स्टाफ और काफिले के साथ पहुंच गई और युवक के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेजकर आगे की जांच शुरू कर दी है ।

प्रधानमंत्री भव्य छात्रालय और अन्य प्रॉजेक्ट का मुहूर्त

अन्नपूर्णाधाम मंदिर की मोदी द्वारा प्राण प्रतिष्ठा

अहमदाबाद,२ मार्च ।

अडालज-कोबा रोड पर लेउवा पाटीदारों के स्वाभिमान और गर्व का श्रद्धा तीर्थ के समान विश्व का प्रथम, सबसे बड़ा और करोड़ों रुपये के खर्च से तैयार हुआ आधुनिक पंचतत्व अन्नपूर्णाधाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ५ मार्च को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया जाएगा । इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी अन्नपूर्णाधाम के भव्य छात्रालय, भोजनालय, आधुनिक पुस्तकालय, फोटोगेलेरी, स्पर्धात्मक परीक्षा के तालीमकेन्द्रों तथा रहने के लिए कमरें सहित के अन्य प्रॉजेक्ट्स का भी विशेष मुहूर्त भी करेंगे । यह भव्य कार्यक्रम में राज्यपाल ओपी. कोहली, राज्य के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, केंद्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला, मनसुख मांडवीया, उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल, खोडलधाम के प्रमुख नरेश पटेल विपक्ष के नेता परेश धानाणी सहित के कई महानुभाव पहुंचेंगे यह अन्नपूर्णाधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरहरि अमीन, चेयरमैन रवजीभाई सवाणी और मैनेर्जिग ट्रस्टी बीपिनभाई पटेल ने बताया । उन्होंने आगे बताया कि, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अन्नपूर्णाधाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य तैयारियां चल रही है । ५ मार्च को आयोजित होनेवाले इस कार्यक्रम में अहमदाबाद और इसके आसपास के तथा राज्यभर में से ३० हजार से ज्यादा भक्त हिस्सा लेने के लिए आयेंगे । यह भव्य कार्यक्रम के तहत ३ मार्च को सुबह में १० बजे अडालज गाम के स्वामीनारायण मंदिर से विशाल शोभायात्रा -जलयात्रा अन्नपूर्णा मंदिर पर आयेगी ।

अहमदाबाद शहर के मिल्लतनगर भैरवनाथ रोड पर एएमसी का काम चल रहा है । जिसकी वजह से एक तरफ का रास्ता बंद करने से लोगों को परेशानी हो रही है ।

सीबीएसई कक्षा-१२ विज्ञान की परीक्षा शनिवार से शुरू हुई थी । विद्यार्थियों ने शनिवार को अंग्रेजी भाषा का पेपर दिया । कक्षा-१० की परीक्षा पांच मार्च से शुरू होगी ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)